14 घंटे में 4 किमी तक बारात में नाचे शिवभक्त

महाशिवरात्रि पर्व : हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजी राजधानी

फोटो : अशरफ अली

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 15 फरवरी. ऊं नम: शिवाय, हर-हर महादेव, जय महाकाल के जयघोष से राजधानी के नेहरू नगर स्थित करुणा धाम आश्रम से लेकर कमलेश्वर महादेव मंदिर, पिपलेशवर महादेव मंदिर सहित हर क्षेत्र के मदिरों में भक्तों का तांता महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लगा रहा. इस बीच प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर में रविवार की सुबह से ही श्रद्धालुओं के हाथों में जल, बेलपत्र सहित अन्य पूजन सामग्री लिए नजर आये.

महाशिवरात्रि के पर्व में मंदिर परिसर में लगभग 25 हजार की संख्या में श्रद्धालुओं ने शिव के आराधना और पूजन अर्चन कर हवन-यज्ञ किया. इस दौरान मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय बना रहा. परिसर से 12 बजकर 30 मिनट पर साधु-संतों की अगुवाई में नंदी पर सवार बाबा भोले नाथ के रथ की बारात यात्रा निकली गई. बारात यात्रा में 4 किलोमीटर की दूरी को सिंधी मार्केट से होते हुये जनकपुरी, मंगलवारा, इतवारा, सराफा चौक, लखेरापुरा, सोमवारा पहुंची. जिसमें 14 घंटे का समय लगा. इसके बाद रात 11 बजे के करीब भवानी चौक में माता रानी जी की वरमाला हुई. इस दौरान शहर के करीब 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बटेश्वर के दर्शन किये. फूलों से सजे मार्ग, रंग-बिरंगी रोशनी और जगह-जगह लगे 120 से अधिक स्वागत मंचों ने माहौल को और दिव्य बना दिया. इन मंचों के द्वारा श्रद्धालुओं को फल और प्रसादी का वितरण किया गया. साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं और संगठनों ने इस यात्रा में अपने सहयोग से इस पर्व को भोलेनाथ की भक्ति में ऐसा रंगा की राजधानी के भक्त शिव की आराधना में लीन रहे.

बारात में दूल्हा बने भोलेनाथ

शिव बारात में भगवान शिव चांदी के आकर्षक रथ पर विराजमान रहे. माथे पर चंद्रमा, गले में सर्प और हाथ में त्रिशूल लिए भोलेनाथ दूल्हे के स्वरूप में नजर आए. उनका मनमोहक रूप श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा. जैसे-जैसे बारात आगे बढ़ी, श्रद्धालु हर-हर महादेव और जय महाकाल, ऊं नम: शिवाय के उच्चारण से हर मार्ग गुंजायमान हो उठा.

झांकियों और डमरू के दल ने मोहा मन

शिव बारात में शामिल 6 झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं. झांकी से लेकर विभिन्न देवी-देवताओं की झलक ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया. प्रदेश के प्रसिद्ध बैंड ने अपनी प्रस्तुति दी, जबकि अलग-अलग प्रांतों से आए नृत्य दलों ने पारंपरिक और लोक नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को और भी जीवंत बना दिया. इस बार युवाओं का डमरू दल विशेष आकर्षण रहा. खास बात यह रही कि पहली बार 50 से अधिक बालिकाएं भी इस दल में शामिल हुईं.

कलश यात्रा के जल से भगवान पशुपतिनाथ का जलाभिषेक

भोपाल, 15 फरवरी. श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज, गोविंदपुरा में महाशिवरात्रि पर रविवार को गंगाजलि कलश यात्रा द्वारा जाए गए जल से भगवान श्री पशुपतिनाथ जी का जलाभिषेक किया गया. इस धार्मिक अनुष्ठान में केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान, मंत्री कृष्णा गौर, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, बीएचईएल के ईडी पी .के . उपाध्याय, पार्षद अशोक वाणी समेत संत-महात्मा विशेष रूप से उपस्थित थे . समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे और महामंत्री सुरेश पाण्डे ने हजारों धर्मप्रेमी बंधुओं को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया . रविवार सुबह 8 :30 बजे गंगाजली कलश यात्रा श्री राम मंदिर, बरखेड़ा से प्रारंभ होकर हुई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए दोपहर 12 बजे श्री पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची . इस वर्ष समाज ने पर्यावरण संरक्षण के तहत 'प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान भी चलाया और मंदिर परिसर में इस दिशा में कार्य किए . मंदिर परिसर में विशाल चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 1100 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें नि :शुल्क दवा वितरित की गई .

आराधना में डूबी भारत भवन की शाम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 15 फरवरी. घुंघरुओं की रुनझुन से भारत भवन का मंच तब शिवमय हो उठा, जब कथक की लय में शंकरा की गूंज उठी. दृश्य को देख ऐसा लगा मानो शिव आराधना सजीव हो गई हो. 44वें वर्षगांठ समारोह में रविवार की संध्या लोक और शास्त्र के अद्भुत संगम की साक्षी बन गई. कार्यक्रम का शुभारंभ दिन में अभिनेता धर्मेन्द्र की कालजयी फिल्म सत्यकाम के प्रदर्शन से हुआ.

फिल्म की संवेदनशीलता ने दर्शकों को आदर्श और सत्य की राह पर सोचने को बाध्य कर दिया. जिसके बाद शाम ढलते ही संगीत और नृत्य की त्रिवेणी ने परिसर के वातावरण को रंग और रस से भर दिया. शाम की प्रस्तुति में निमाड़ की लोकधारा ने सबसे पहले मंच संभाला. जिसमें पूर्णिमा चतुर्वेदी ने गणपति वंदना से शुरुवात करते हुए निमाड़ी लोकगीतों की श्रृंखला प्रस्तुत की. जिसमें झूलत गिरिजा संग उमापति और अबको चौमासो मारूजी घर रहो जैसे गीतों में लोकजीवन की आत्मीयता झलक उठी. जिसमें मीनाक्षी पगारे, आराधना पाराशर, ऋचा उपाध्याय, लक्ष्मीनारायण ओसले और माधव सिंह राजपूत ने स्वर संगति दी. साथ ही बांसुरी पर विद्याधर आमटे, हारमोनियम पर लोकेश दुबे और ढोलक पर रोहित दिलारे की संगत ने लोकधुनों को और जीवंत कर दिया. इसके बाद हिमाचल प्रदेश की मुसाधा गायन परंपरा ने जैसे ही मंच सम्हाला चरों ओर आध्यात्मिक वातावरण रच गया. इस दौरान खंजरी और कंसी की ध्वनि में धार्मिक कथावाचन की पुरातन परंपरा साकार होती दिखी.

संध्या की अंतिम प्रस्तुति कथक की रही. जिसमें पंडित बिरजू महाराज के पुत्र पंडित दीपक महाराज और उनकी शिष्याओं ने शिव आराधना को नृत्य में साकार किया. जिसमें शंकर गिरजापति बंदिश पर तांडव और लय का अद्भुत संतुलन देखने को मिला. कलाकरों की हस्तमुद्राओं को देख दर्शक ऐसा प्रतीत कर रहे थे मानों गंगा अवतरण और शिव जटाओं की गति जीवंत हो उठी हो.

श्रद्धालुओं को खीर एवं फलाहारी का वितरण

श्री प्राचीन शिव मंदिर समिति के तत्वावधान में पीजीबीटी रोड स्थित भगवान शिव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए खीर एवं फलाहारी खिचड़ी का वितरण किया गया . समिति पदाधिकारी शैलेंद्र साहू भगवान दास ढालिया, शैलेश स्वामी, अनिल साहू, सुनीता आर्य, सरला परस्ते, चंद्रकला साहू, विभा गरुड़, रचना राय अभिलाषा गुप्ता, नैना दीदी वितरण किया .

स्कूली बच्चों को वितरित की छात्रवृत्ति

भोपाल . '20-20 खुशियों का वितरण केंद्र' ने फरवरी माह की छात्रवृत्ति स्कूली बच्चों को पीआर बघेल एक्स डायरेक्टर डीआरडीओ के सान्निध्य में वितरित की . इस अवसर पर केंद्र संचालक राकेश भारती ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया .

भोपाल दुग्ध संघ ने सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

'दूध का दूध, पानी का पानी' अभियान को मिली राष्ट्रीय सराहना

भोपाल, 15 फरवरी. राजधानी नई दिल्ली में हुए प्रतिष्ठित 52वें डेयरी उद्योग सम्मेलन में भोपाल सहकारी दुग्ध संघ (सांची) ने अपनी अभिनव पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है. यह पुरस्कार संघ के क्रांतिकारी अभियान 'दूध का दूध, पानी का पानी' के सांख्यिकीय विश्लेषण और सकारात्मक परिणामों को प्रदर्शित करने वाले पोस्टर को दिया गया.

सम्मेलन में देश भर के डेयरी विशेषज्ञों के समक्ष भोपाल दुग्ध संघ की टीम (सीईओ प्रीतेश जोशी, मार्केटिंग प्रमुख शलभ सियोते और क्वालिटी प्रमुख प्रज्ञा झा) ने बताया कि कैसे आधुनिक तकनीक और पारदर्शिता के माध्यम से उपभोक्ताओं का विश्वास फिर से जीता गया.जून 2025 में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य पिछले पांच वर्षों से दूध की बिक्री में आ रही गिरावट को रोकना और खुले दूध में मिलावट के खिलाफ जागरूकता फैलाना था.

पारदर्शिता की सफलता की कुंजी: इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए भोपाल दुग्ध संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रीतेश जोशी ने कहा कि यह पुरस्कार केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि गुणवत्ता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है. जब हमने 'दूध का दूध, पानी का पानी' अभियान शुरू किया, तो हमारा उद्देश्य सिर्फ बिक्री बढ़ाना नहीं, बल्कि जनसाधारण को शुद्धता का अधिकार दिलाना था. सम्मेलन के जूरी सदस्यों ने भोपाल दुग्ध संघ के इस प्रयास को एक बेहतरीन मॉडल' बताया और अन्य राज्यों को से अपनाने का सुझाव दिया.

पोस्टर में प्रमुख उपलब्धियों को किया रेखांकित

मिलावट पर प्रहार : अभियान की शुरुआत (जून-अगस्त 2025) में खुले दूध के नमूनों में मिलावट की दर 35 .6% थी, जो मोबाइल टेस्टिंग वैन के डर और जागरूकता के कारण जनवरी-फरवरी 2026 तक घटकर मात्र 9 .9% रह गई.

बिक्री में भारी उछाल : पारदर्शिता के कारण उपभोक्ताओं का रुझान पैकेट बंद उत्पादों की ओर बढ़ा. इसके परिणामस्वरूप सांची घी की बिक्री में 55 .5% और पनीर की बिक्री में 19 .8% की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई.

सेवा संकल्प के साथ संभाली कमान

▶ गुजराती समाज भवन में शपथ ग्रहण समारोह

भोपाल, 15 फरवरी. गुजराती समाज भवन में जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप भोपाल के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ. सामाजिक सरोकार और सेवा भाव के संदेश के साथ नई टीम ने जिम्मेदारी संभाली.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विजय मेहता विशेष अतिथि के रूप में मनीष सुराणा और संजय छाजेड़ ने सहभागिता की. साथ ही विजय ललवानी, संतोष जैन मामा, मनोहर लोढ़ा, राजेश तोंदे, ईश्वरलाल मेहता और अरुण कोठारी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा बढ़ाई. नव निर्वाचित अध्यक्ष सुनील बबिता डोसी ने पद की शपथ लेते हुए कहा कि संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाना उनकी प्राथमिकता होगी.वहीं चेयरमैन कपिल अनुपमा जैन, उपाध्यक्ष संजय सपना कोठारी और सुधीर मनीषा भंडारी, सचिव अपर्णा संजीव चान्दिडिया, कोषाध्यक्ष सुजीत मनीषा रामपुरिया ने भी समर्पण से कार्य करने का भरोसा दिलाया.

किन्नर धर्म सम्मेलन | पारंपरिक अनुष्ठानों के बीच पट्टाभिषेक संपन्न

देश की पहली ट्रांसजेंडर शंकराचार्य बनीं हिमांगी

भोपाल, 15 फरवरी महाशिवरात्रि के अवसर पर रविवार को आयोजित किन्नर धर्म सम्मेलन में वैदिक मंत्रोचार और पारंपरिक अनुष्ठानों के बीच हिमांगी सखी का भारत का पहली ट्रांसजेंडर शंकराचार्य के रूप में औपचारिक पट्टाभिषेक संपन्न हुआ.

आयोजकों ने घोषणा की कि पुष्कर पीठ को देश की पहली ट्रांसजेंडर शंकराचार्य पीठ के रूप में नामित किया गया है. इस कार्यक्रम में किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास, विभिन्न रायों से आये ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य, साधु-संत और बड़ी संख्या में अनुयायी शामिल हुए.सम्मेलन के दौरान आयोजकों ने दावा किया कि अन्य धर्मों में परिवर्तित हो चुके

60 ट्रांसजेंडरों को शुद्धीकरण प्रक्रिया के जरिये वापस हिंदू धर्म में लाया गया. मंच से यह कहा गया कि इस्लाम अपनाने वाले कुछ व्यक्तियों ने अनुष्ठानों के बाद पुन: हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया. इन दावों की हालांकि स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है. समारोह के हिस्से के रूप में चार जगतगुरुओं और पांच महामंडलेश्वरों की भी घोषणा की गई. नवनियुक्त जगतगुरुओं में काजल ठाकुर (भोपाल), तनीषा (राजस्थान), संजना सखी (भोपाल) और संचिता (महाराष्ट्र) शामिल हैं.

महामंडलेश्वरों में सरिता भार्गव, मंजू, पलपल, रानी ठाकुर और सागर के नाम शामिल हैं. मुंबई की रहने वाली हिमांगी सखी, मां वैष्णो किन्नर अखाड़ा की प्रमुख हैं और उन्हें समुदाय के भीतर प्रमुख धार्मिक नेता माना जाता है. वह पहले भी महामंडलेश्वर और जगत गुरु के रूप में सेवा दे चुकी हैं. यह घटनाक्रम भोपाल के ट्रांसजेंडर समुदाय के कुछ वर्गों के भीतर धर्म परिवर्तन और नेतृत्व पदों को लेकर चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के बीच आया है.

सशक्त दामिनी सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम 7 को

भोपाल, 15 फरवरी. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दामिनी की आवाज एवं फ्यूचर विजन के संयुक्त तत्वावधान में 'सशक्त दामिनी सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है।

संस्था की अध्यक्ष अनीता आर्या ने बताया कि 7 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल स्थित एनआईटीटीआर ऑडिटोरियम, श्यामला हिल्स में यह गरिमामय कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि इस समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, प्रशासन, कला एवं संस्कृति—में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को 'सशक्त दामिनी सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा.कार्यक्रम का उद्देश्य उन महिलाओं को मंच प्रदान करना है, जिन्होंने अपने संघर्ष, साहस और समर्पण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मिसाल कायम की है।

समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का संदेश भी दिया जाएगा. ट्रेडिशनल रैम्प वॉक, रेट्रो फैशन शो, किड्स फैशन शो और किड्स डांस काम्पटीशन भी आयोजित किया गया है.